सीएसएसआरआई द्वारा "महिला किसान दिवस" का आयोजन

भारत सरकार के निर्देशानुसार करनाल स्थित केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा ग्राम बुढ़नपुर, जिला करनाल में आज दिनांक 15 अक्तूबर, 2020 को "**महिला किसान दिवस**" का आयोजन किया गया। इस समारोह में गांव की लगभग 60 कृषक महिलाओं की उपस्थिति में संस्थान द्वारा "**सीएसएसआरआई नव्य महिला स्वयं सहायता समूह**" का आधिकारिक रूप से गठन किया गया। इस समूह में प्रारंभिक रूप से बुढ़नपुर गांव की 16 कृषक महिलाओं ने सदस्यता ग्रहण की। इस बारे में प्रस्ताव पारित कर एक संकल्प पत्र संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा जी के द्वारा समूह के अध्यक्ष श्रीमती कविता को आधिकारिक रूप से सौंपा गया।

इस अवसर पर एकत्रित महिलाओं के समूह को संबोधित करते हुए डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा जी ने कहा कि महिलाओं के समूह को स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाने के लिये संस्थान द्वारा कई कार्यक्रम किये जा रहे हैं जिसके अन्तर्गत वर्तमान में केन्द्र सरकार द्वारा पोषित अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत बुढ़नपुर गांव का चयन किया गया है जिसमें लगभग 235 परिवार अनुसूचित जाति के हैं। इन परिवारों की आर्थिक दशा को सुधारने हेतु कृषि एवं कृषि आधारित अन्य व्यवसायों को अपनाने के लिये गांव में विभिन्न समूहों के गठन का कार्यक्रम है। इन समूहों को उचित प्रशिक्षण प्रदान कर व्यवसायिक मॉडल के रूप में विकसित किया जायेगा ताकि समूहों के सदस्य अपनी आमदनी के स्तर को बढ़ा सके और विकास की प्रक्रिया में भागीदार बन सकें। इस दिशा में संस्थान द्वारा सभी संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया।

इससे पहले नाबार्ड़ के प्रबंधक श्री अभिमन्यु मलिक ने उपस्थित महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया तथा प्रयोगात्मक रूप से व्यवसाय को शुरू करने एवं क्रियान्वित करने के उपाय सुझाये। इस अवसर पर सीएसएसआरआई के सामाजिक विज्ञान अनुसंधान विभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार ने संस्थान द्वारा चलाये जा रहे विस्तार कार्यक्रमों की संक्षेप में जानकारी दी तथा महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के गठन के उद्देश्य तथा गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस समूह द्वारा सर्वप्रथम मास्क एवं बैग बनाने का कार्य शुरू किया जायेगा तथा बाद में कृषि आधारित अन्य व्यवसायों के अपनाये जाने की कार्रवाई की जाएगी।

इस समारोह में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के पूर्व निदेशक (कृषि विस्तार) डा. विजय अरोड़ा ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की प्रेरणा दी ताकि उनका अपना आय का स्रोत संभव हो सके। कार्यक्रम में मौजूद स्वयं सेवी संस्था की श्रीमती गीतांजलि कौशल ने वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के ऊपर चिंता व्यक्त की तथा महिलाओं का आह्वान किया कि वे पराली जलाने के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

इस अवसर पर किसान मोर्चा के सदस्य श्री तुलसीदास मिश्रा तथा बुढ़नपुर गांव के सरपंच श्रीमती इन्द्रा देवी एवं पूर्व सरपंच श्री सुरेन्द्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये तथा कृषक महिलाओं को स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारियाँ प्रदान की। इनके अलावा कार्यक्रम में महिला प्रशिक्षकों एवं गांवों की अन्य महिलाओं ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम का संचालन डा. प्रियंका चन्द्रा एवं डा. रम्या की वैज्ञानिक टीम ने किया।

महिला किसान दिवस
15 अक्टूबर, 2020

महिला किसान दिवस
15 अक्टूबर, 2020

महिला किसान दिवस

महिला किसान दिवस
15 अक्टूबर, 2020

शुक्रवार FRIDAY 16 अक्तूबर 2020

सी.एस.एस.आर.आई. में महिला किसान दिवस का आयोजन

कविता को संकल्प पत्र सौंपते निदेशक डा. प्रबोध चंद्र शर्मा। (देवेंद्र)

करनाल, 15 अक्तूबर (शैली): केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान ने बुढ़नपुर गांव में महिला किसान दिवस का आयोजन किया। समारोह में गांव की करीब 60 कृषक महिलाओं ने शिरकत की। इस अवसर पर सी.एस.एस.आर.आई. नव्य महिला स्वयं सहायता समूह का आधिकारिक रूप से गठन किया गया। बुढ़नपुर गांव की 16 कृषक महिलाओं ने इसकी सदस्यता ग्रहण की। प्रस्ताव पारित कर संकल्प पत्र संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चंद्र शर्मा द्वारा समूह के अध्यक्ष कविता को सौंपा गया। डा. प्रबोध चंद्र शर्मा ने कहा कि महिलाओं के समूह को स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाने के लिए संस्थान द्वारा कई कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसके तहत केंद्र सरकार द्वारा पोषित अनुसूचित जाति उप-योजना के अन्तर्गत बुढ़नपुर गांव का चयन किया गया है। इसमें लगभग 235 परिवार अनुसूचित जाति के हैं। इन परिवारों की आर्थिक दशा को सुधारने हेतु कृषि एवं कृषि आधारित अन्य व्यवसायों को अपनाने हेतु गांव में विभिन्न समूहों के गठन का कार्यक्रम है। इन समूहों को उचित प्रशिक्षण प्रदान कर व्यावसायिक मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि समूहों के सदस्य अपनी आमदनी के स्तर को बढ़ा सकें और विकास की प्रक्रिया में भागीदार बन सकें।

नाबार्ड के प्रबंधक अभिमन्यु मलिक ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के प्रावधानों से अवगत करवाया। इस अवसर पर सी.एस.एस.आर.आई. के सामाजिक विज्ञान अनुसंधान विभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार, टीम के वैज्ञानिक सदस्य डा. प्रियंका चंद्रा एवं डा. रम्या, डा. विजय अरोड़ा, पूर्व निदेशक कृषि विस्तार, उचानी केंद्र, गीतांजलि कौशल, किसान मोर्चा के सदस्य तुलसीदास मिश्रा, बुढ़नपुर गांव के सरपंच इंद्रा देवी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। गीतांजलि कौशल ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे पराली जलाने के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का संचालन डा. अनिल कुमार, डा. प्रियंका चंद्रा व डा. रम्या की टीम ने किया। इस अवसर पर पुरुषोत्तम लाल, गोविंद, जसविंद्र कौर व च्योति देवी मौजूद रहीं।

अमर उजाला my city करनाल सिटी
शुक्रवार • 16.10.2020
amarujala.com
2

बुढ़नपुर में सीएसएसआरआई नव्य महिला स्वयं सहायता समूह का गठन

गांव बुढ़नपुर में आयोजित कार्यक्रम में महिला को सम्मानित करते डा. प्रबोध चंद्र शर्मा।

माई सिटी रिपोर्टर

करनाल। केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा गांव बुढ़नपुर में महिला किसान दिवस समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें 60 कृषक महिलाओं की उपस्थिति में संस्थान द्वारा सीएसएसआरआई नव्य महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। समूह में प्रारंभिक रूप से बुढ़नपुर गांव की 16 कृषक महिलाओं ने सदस्यता ग्रहण की।

संकल्प पत्र संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चंद्र शर्मा ने समूह की अध्यक्षा कविता को सौंपा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पोषित अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत बुढ़नपुर गांव का चयन किया गया है, यहां लगभग 235 परिवार अनुसूचित जाति के हैं। इन परिवारों की आर्थिक दशा को सुधारने हेतु कृषि एवं कृषि आधारित अन्य व्यवसायों को अपनाने हेतु गांव में विभिन्न समूहों के गठन का कार्यक्रम है। नाबार्ड के प्रबंधक अभिमन्यु मलिक ने महिलाओं को व्यवसाय शुरू एवं क्रियान्वित करने के उपाय सुझाये। इस अवसर पर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान विभाग के अध्यक्ष डा. अनिल कुमार, डा. प्रियंका चंद्रा, डा. रम्या, डा. विजय अरोड़ा पूर्व निदेशक कृषि विस्तार, गीतांजलि कौशल आदि मौजूद रहे।

महिला किसान दिवस मनाया, 16 कृषक महिलाओं ने ली सदस्यता

महिलाओं को किया जागरूक

करनाल। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा महिला किसान दिवस के अवसर पर महिला पशुपालक गोष्ठी का आयोजन गांव कुंजपुरा में किया गया। जिसमें गांव की 40 महिलाओं ने भाग लिया। गोष्ठी में डॉ. मोनिका, दिनेश ने पशुपालन से संबंधित ज्ञान एवं कोशल समवर्धन बढ़ाने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. सूजोय खन्ना ने बताया कि महिला किसानों को बढ़ावा देने, पशुपालन और खेती को व्यवसायिक के तौर पर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने, उन्हें सशक्त करने के लिए सरकार ने महिला किसान दिवस मनाने का फैसला लिया है। पशुपालन ही आने वाले समय में घर की आमदनी दोगुन्नी करने में अहम भूमिका निभाएगा। अगर पशुपालन वैज्ञानिक तरीके से किया जाए तो महिलाएं घर की आमदनी दुगुनी करने में सहयोग दे सकती हैं।